राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष 04 | अंक 68 | पृष्ठ 18 | मूल्य 5.00

patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

झुंझुनूं, शनिवार, 13 दिसम्बर, 2025 | पौष कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082

सूर्यवंशी का वैभव... एक पारी में सर्वाधिक छक्के जड़ वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

बेहतर जिंदगी की आस में 5 साल में नौ लाख भारतीय हुए परदेसी

@इंडिया &वर्ल्ड

ग्राहक की एफडी और बचत खाते से लोन को लिंक नहीं कर सकेंगे बैंक

@बिजनेस &वेल्थ

सीरी ने तकनीक का किया हस्तांतरण

उच्च-शक्ति मैग्नेट्रॉन तकनीक से रक्षा क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

पिलानी .कार्यक्रम में तकनीक का चेक प्रदान करते प्रतिनिधि ।

पिलानी. केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी ने स्वदेशी रूप से विकसित उच्च-शक्ति मैग्नेट्रॉन तकनीक को व्यावसायिक उत्पादन के लिए निजी कम्पनी को हस्तांतरित किया है। इस अत्याधुनिक तकनीक से देश के रक्षा क्षेत्र को नई गति और आयात-निर्भरता में कमी आने की उम्मीद है। संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लगभग एक करोड़ रुपए मूल्य के इस तकनीक हस्तांतरण समझौते पर सीरी की ओर से संस्थान निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया और डॉ. नीरज कुमार, जबकि टॉन्बो इमेजिंग की ओर से सह-संस्थापक एवं सीईओ अरविंद लक्ष्मीकुमार तथा सह-संस्थापक एवं चीफ रेवेन्यू ऑफिसर अंकित कुमार उपस्थित रहे। सीरी के वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइस समूह द्वारा पूर्णतः इन-हाउस विकसित व प्रमाणित इस हाई-पावर मैग्नेट्रॉन तकनीक से न केवल इसके व्यावसायिक उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रक्षा, एयरोस्पेस और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में देश की निर्भरता में भी कमी आएगी। यह कदम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

69 वर्षों से तकनीकी नवाचार में अग्रणी

सीरी , पिलानी पिछले 69 वर्षों से वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइस, सेमीकंडक्टर तकनीक और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला रही है। अपनी वैज्ञानिक क्षमता के बल पर संस्थान उच्च-शक्ति मैग्नेट्रॉन जैसी जटिल तकनीकों के स्वदेशी विकास का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

एंटी-ड्रोन सिस्टम में होगी कारगर

सीरी निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने बताया कि उच्च-शक्ति मैग्नेट्रॉन तकनीक का उपयोग दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय करने में अत्यंत प्रभावी रहेगा। इस तकनीक से सुरक्षा बलों को आधुनिक खतरे से निपटने में नई मजबूती और दक्षता मिलेगी।